नर्मदापुरम में सर्वाधिक 4.2 इंच वर्षा, अगले 48 घंटे भारी बारिश की चेतावनी

प्रदेश के 35 से अधिक जिलों में बारिश

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मप्र में मानसून पूरी तरह सक्रिय बना हुआ है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से लगातार मिल रही नमी के कारण प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में झमाझम वर्षा का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे के दौरान 35 से अधिक जिलों में वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग ने आगामी 24 से 48 घंटे के दौरान कई जिलों में भारी से अति भारी वर्षा होने की चेतावनी जारी की है। पिछले 24 घंटे में नर्मदापुरम में सर्वाधिक 4.2 इंच वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा नरसिंहपुर में 2.5 इंच, राजगढ़ में 2.4 इंच, सीहोर और मलाजखंड में 2.2 इंच, भोपाल में 2.1 इंच, पचमढ़ी और मंडला में 1.8 इंच, श्योपुर में 1.5 इंच, सिवनी में 1.3 इंच तथा खरगोन में 1.1 इंच वर्षा रिकॉर्ड की गई। उमरिया, छिंदवाड़ा, शिवपुरी, टीकमगढ़, खंडवा, छतरपुर, सतना, बैतूल, दमोह, जबलपुर, इंदौर, रतलाम, दतिया, उज्जैन, धार, सीधी, ग्वालियर, सागर, शाजापुर, विदिशा, देवास, आगर-मालवा, बड़वानी और बुरहानपुर सहित अनेक जिलों में भी वर्षा और तेज हवाओं का असर देखा गया। राजधानी भोपाल सहित कई शहरों में रात से रुक-रुककर वर्षा का सिलसिला जारी रहा मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में वर्षा की गतिविधियां तेज बनी रह सकती हैं।

पॉश इलाकों में विदेशी शराब की तस्करी का भंडाफोड़

- पति-पत्नी समेत चार गिरफ्तार, शराब और चार कारें जब्त
- बड़ी पार्टियों तक पहुंचती थी विदेशी शराब

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भोपाल आबकारी विभाग ने विदेशी शराब की अवैध आपूर्ति करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पति-पत्नी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 552.75 लीटर विदेशी शराब तथा परिवहन में प्रयुक्त चार कारें जब्त की गई हैं। जब्त शराब और वाहनों की कुल कीमत 60 लाख रुपये से अधिक बताई गई है।

सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र सिंह धाकड़ ने बताया कि पिछले 15 दिनों से सूचना मिल रही थी कि एक गिरोह भोपाल के पॉश इलाकों और बड़ी पार्टियों में

विदेशी शराब की आपूर्ति कर रहा है। इसके बाद टीम ने निगरानी कर मंगलवार रात गांधीनगर स्थित पंचवटी कॉलोनी में कार्रवाई की।

सादे वस्त्रों में पहुंची टीम ने घेराबंदी कर राहुल यादव को एक कार में अवैध शराब का परिवहन करते हुए पकड़ लिया। उसके कब्जे से 81 बल्क लीटर विदेशी शराब और कार जब्त की गई। पूछताछ के बाद विकासकुंज, त्रिलंगा स्थित उसके घर पर दबिश दी गई, जहां उसकी पत्नी प्रीति के कब्जे से 411.75 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। घर में खड़ी तीन कारों में भी शराब छिपाकर रखी गई थी।

नेटवर्क की जांच जारी

पूछताछ में दोनों ने चंचल साहू और अनिकेत शाक्य के नाम बताए। इसके बाद बुधवार सुबह चंचल के घर पर दबिश दी गई, जबकि अनिकेत शाक्य को बरखेड़ा क्षेत्र में एक स्कूटी से शराब की छह पेटियां ले जाते हुए गिरफ्तार किया गया।

बड़ी पार्टियों में होती थी आपूर्ति

आबकारी विभाग के अनुसार, बरामद विदेशी शराब की बोतलों पर आवश्यक अंकन नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि यह शराब आगरा और ग्वालियर के रास्ते भोपाल लाई जाती थी। पूछताछ में सामने आया है कि अरेरा कॉलोनी, चार इमली सहित शहर के पॉश क्षेत्रों और बड़ी पार्टियों में इसकी आपूर्ति की जाती थी। विभाग अब यह पता लगाने में जुटा है कि गिरोह का नेटवर्क किन-किन लोगों तक फैला हुआ था और शराब की आपूर्ति किन स्थानों पर की जाती थी।

कर्ज के दबाव में शेफ ने दी जान

सुसाइड नोट में सूदखोर और रिकवरी एजेंट पर प्रताड़ना के आरोप, पुलिस जांच में जुटी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी के रातीबड़ थाना क्षेत्र में कलियासोत डैम के पास एक 37 वर्षीय शेफ का शव पेड़ से फंदे पर लटका मिला। मृतक की पहचान नीलबड़ स्थित बृजधाम कॉलोनी निवासी रामश्रवण पटेल के रूप में हुई है। वह कोलार रोड स्थित एक बंगले में शेफ के रूप में कार्यरत था। पुलिस को मौके से उसकी मोटरसाइकिल और जेब से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसके आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। सुसाइड नोट में रामश्रवण ने लिखा है कि मकान निर्माण के लिए उन्होंने बृज पटेल नामक व्यक्ति से तीन लाख 70 हजार रुपये उधार लिए थे। उन्होंने दावा किया कि वह एक लाख 40 हजार रुपये चुका चुके थे, इसके बावजूद उनसे प्रतिदिन 10 हजार रुपये की मांग की जा रही थी। नोट में यह भी उल्लेख है कि कर्ज चुकाने के लिए उन्हें स्वर्ण ऋण तक लेना पड़ा, लेकिन इसके बाद भी दबाव कम नहीं हुआ।

पुलिस करेगी सभी पहलुओं की जांच

मृतक के भाई अरुण पटेल का कहना है कि कर्ज चुकाने के लिए परिवार के गहने तक गिरवी रखे गए थे, लेकिन तकादा जारी रहा। वहीं, रातीबड़ थाना पुलिस का कहना है कि चार दिन पहले भी रामश्रवण ने आत्महत्या का प्रयास किया था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। अब सुसाइड नोट, मोबाइल कॉल विवरण, वित्तीय लेन-देन और नोट में उल्लेखित लोगों के बयानों के आधार पर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है।

सुसाइड नोट में एक निजी वित्त कंपनी के वसूली एजेंटों पर लगातार प्रताड़ित करने का आरोप लगाया गया है। मृतक ने लिखा है कि उन्हें थाने में भी करीब तीन घंटे तक बैठाकर दबाव बनाया गया। आर्थिक बोझ और मानसिक तनाव के कारण उन्होंने यह कदम उठाने की बात लिखी है। परिजनों के अनुसार, रामश्रवण मंगलवार दोपहर काम पर जाने की बात कहकर घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। बाद में पुलिस ने सुसाइड नोट में दर्ज मोबाइल नंबर के आधार पर परिवार को घटना की सूचना दी।

सहकार भारती प्रदेश अर्बन बैंकिंग प्रकोष्ठ सम्मेलन संपन्न

शहरी सहकारी बैंकों के लिए डिजिटल मोड समय की मांग

आरबीआई निदेशक सतीश मराठे ने प्रांतीय सम्मेलन में दिया डिजिटल बैंकिंग पर जोर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः सहकार भारती एवं मध्यप्रदेश स्टेट अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय प्रांतीय सम्मेलन में भारतीय रिजर्व बैंक के निदेशक सतीश मराठे ने शहरी सहकारी बैंकों से डिजिटल बैंकिंग को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बदलते समय में बैंकों और ग्राहकों की प्रगति के लिए डिजिटल मोड अपनाना अनिवार्य है। देश के सफल शहरी सहकारी बैंकों के मॉडल से सीख लेकर प्रदेश के बैंक भी अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करें।

राजहंस होटल में आयोजित सम्मेलन में प्रदेश के लगभग सभी शहरी सहकारी बैंकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। श्री मराठे ने अपने संबोधन में सरफेसी अधिनियम और आरबीआई के विभिन्न नियामकीय प्रावधानों से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा करते हुए समाधान भी सुझाए। उन्होंने प्रत्येक बैंक को अपना विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने की सलाह दी तथा अपना दृष्टिकोण पत्र भी साझा किया।

सहकार भारती के अर्बन बैंक्स प्रकोष्ठ प्रमुख अभय माटे ने कहा कि डिजिटल अनुपालन पूरा नहीं करने पर 50 करोड़ से 250 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने निर्धारित समय सीमा में आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश स्टेट अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ऋषिराज सिंह सिसोदिया ने सहकारी बैंकों की भूमिका और उनकी चुनौतियों पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में डिजिटल बैंकिंग समाधान और सफल बैंकिंग मॉडल पर भी प्रस्तुतियां दी गईं। संचालन डॉ. अमित मुद्गल ने तथा आभार प्रदर्शन सुदर्शन गुप्ता ने किया।

कलियासोत डैम के पास फिर दिखा बाघ

सड़क पार करते हुए राहगीरों ने बनाया वीडियो विशेषज्ञ बोले- यह बाघों का प्राकृतिक क्षेत्र

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी भोपाल के कलियासोत डैम के पास एक बार फिर बाघ का मूवमेंट सामने आया है। रात के समय एक वयस्क बाघ सड़क पार करता हुआ राहगीरों को दिखाई दिया, जिसका उन्होंने वीडियो बना लिया। बताया जा रहा है कि यह वीडियो पांच से छह दिन पुराना है, जो बुधवार को सामने आया।

करीब 12 मिनट के वीडियो में बाघ सड़क पार करने के बाद कुछ ही देर में झाड़ियों की ओर जाता हुआ दिखाई देता है। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। बाघ मित्र राशिद नूर ने बताया कि कलियासोत डैम, चंदनपुरा, केरवा और आसपास के जंगल बाघों का प्राकृतिक क्षेत्र हैं। इसके अलावा वाल्मी की पहाड़ी पर भी बाघों की मौजूदगी समय-समय पर दर्ज की जाती रही है। उन्होंने कहा कि कलियासोत डैम के आसपास बाघ का दिखाई देना असामान्य नहीं है, क्योंकि यह क्षेत्र लंबे समय से बाघों की गतिविधियों का हिस्सा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार भोपाल के आसपास लगभग 25 किलोमीटर के दायरे में बाघों का नियमित मूवमेंट बना रहता है। कलियासोत, केरवा और कोलार-बैरसिया क्षेत्र में पहले भी बाघ देखे जा चुके हैं। फरवरी 2022 में चूनाभट्टी स्थित भोज विश्वविद्यालय परिसर में भी बाघ की मौजूदगी दर्ज की गई थी।

वन विभाग के अनुसार कलियासोत, केरवा, समरधा, अमोनी और भानपुर क्षेत्र में 13 स्थायी बाघ निवास करते हैं। इनमें बाघिन टी-123 का पूरा कुनबा भी शामिल है। इसके अलावा शहर से लगे रातापानी के जंगल में भी बाघों की सक्रिय मौजूदगी बनी हुई है।

चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश में गिरा यात्री, समय रहते बची जान

- इटारसी स्टेशन पर ट्रेन प्रबंधक की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भोपाल रेल मंडल के इटारसी रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश के दौरान एक यात्री हादसे का शिकार हो गया। यात्री का संतुलन बिगड़ने से वह ट्रेन के साथ काफी दूर तक घिसटता चला गया। समय रहते ट्रेन प्रबंधक की सतर्कता और साहस से उसकी जान बच गई। घटना बुधवार को गाड़ी संख्या 12753 नांदेड-हजरत निजामुद्दीन संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में हुई।

यात्री सुशील पाटिल मनमाड़ से भोपाल तक सामान्य श्रेणी के डिब्बे में यात्रा कर रहे थे। इटारसी यार्ड में ट्रेन रुकने पर वह पानी लेने के लिए नीचे उतरे। इसी दौरान उनका बैग चोरी हो गया, जिसमें नकदी, रेल टिकट और अन्य आवश्यक सामान रखा था। बैग की तलाश में लगे रहने के दौरान ट्रेन चल पड़ी।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ट्रेन प्रबंधक ने तत्काल आगे बढ़कर यात्री को मजबूती से पकड़ लिया और पूरी ताकत से उसे ट्रेन के भीतर खींच लिया। इस साहसिक प्रयास से बड़ा हादसा टल गया। घटना में यात्री के पैर में चोट और सूजन आई। बाद में उन्हें प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई गई तथा भोजन की व्यवस्था नहीं होने पर केले भी दिए गए। इसी क्रम में गाड़ी संख्या 12409 गोंडवाना एक्सप्रेस में टिकट जांच के दौरान घर से बिना बताए यात्रा कर रही एक युवती की पहचान की गई। रेलवे कर्मचारियों ने उसके परिजनों से संपर्क स्थापित कर उसे सुरक्षित निगरानी में रखा। वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पहुंचने पर रेलवे सुरक्षा बल की उपस्थिति में युवती को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

घबराहट में किया चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास

ट्रेन छूटती देखकर यात्री ने चलती ट्रेन के अंतिम डिब्बे में चढ़ने का प्रयास किया। ट्रेन प्रबंधक रोमेश चौबे ने उन्हें ऐसा करने से लगातार मना किया, लेकिन घबराहट में यात्री ने प्रयास जारी रखा। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह गिरकर ट्रेन के साथ घिसटने लगे।

नाबालिग के साथ पड़ोसी ने रेप किया

नप्र, भोपाल : राजधानी के अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र में करीब छह महीने तक एक पड़ोसी ने नाबालिग छात्रा के साथ डरा धमकाकर रेप किया। गर्भवती होने पर घटना का खुलासा हुआ। तब अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। हालांकि आरोपी युवक की अभी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। टीआई सुनील शर्मा के मुताबिक 15 वर्षीय किशोरी स्कूली छात्रा है। उसके पड़ोस में रहने वाला आरोपी शुभम साहू फरवरी से उसको डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म कर रहा था।

अभी कुछ दिन पहले पीड़िता के पेट में दर्द की शिकायत हुई तो परिजनों ने उसे डॉक्टरों के पास दिखाया। जहां पता चला कि किशोरी गर्भवती है। इसके बाद जब छात्रा से परिजनों ने पूछताछ की तो पूरे मामले का खुलासा हुआ।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर प्रदेश में एसएएसी की शुरुआत

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) की ग्रेड प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, रोजगारपरक और नवाचार आधारित शिक्षा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में उत्कृष्ट गुणवत्ता ही विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगी।

राज्य स्तरीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रकोष्ठ (एसएएसी) के शुभारंभ, उसके लोगो के अनावरण तथा 341 शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के आईक्यूएसी समन्वयकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मंत्री ने श्री परमार ने

कहा कि एसएएसी का गठन प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों को गुणवत्ता संवर्धन और एनएएसी मानकों के अनुरूप बेहतर प्रदर्शन के लिए मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से किया गया है। यह प्रकोष्ठ मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग और सतत परामर्श उपलब्ध कराएगा।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा, अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को उच्च शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाया जा रहा है। समय पर प्रवेश, परीक्षा और परिणाम सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। साथ ही डिजिटल मूल्यांकन व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है तथा प्राध्यापकों की उपस्थिति के लिए सार्थक ऐप का उपयोग किया जा रहा है।

अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने कहा कि एसएएसी के माध्यम से महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों तथा वैश्विक रैंकिंग के अनुरूप तैयार किया जाएगा। आयुक्त उच्च शिक्षा प्रबल सिपाहा ने कहा कि यह पहल संस्थानों में गुणवत्ता, नवाचार, अनुसंधान और सतत सुधार की संस्कृति को मजबूत करेगी।

वेतन न मिलने पर वॉर्ड बॉय की हड़ताल मरीज हुए परेशान

नप्र, भोपाल : एक माह से वेतन नहीं मिलने के विरोध में बुधवार सुबह हमीदिया अस्पताल के वॉर्ड बॉय हड़ताल पर चले गए। इसका असर अस्पताल की व्यवस्थाओं पर दिखाई दिया। कई स्थानों पर मरीजों के परिजन स्वयं व्हीलचेयर और स्ट्रेचर धकेलते नजर आए, जबकि ऑक्सीजन सिलेंडर और स्ट्रेचर भी लिफ्ट के बाहर पड़े रहे। हालांकि प्रशासन से चर्चा के बाद दोपहर करीब एक बजे हड़ताल समाप्त कर कर्मचारियों ने दोबारा काम शुरू कर दिया। परिजनों ने बताया कि सुबह से कोई वॉर्ड बॉय उपलब्ध नहीं था, जिससे मरीजों को एक वार्ड से दूसरे वार्ड तथा बाह्य रोगी विभाग तक ले जाने में काफी परेशानी हुई। कई लोगों को मरीजों से जुड़े सभी कार्य स्वयं करने पड़े। अस्पताल के एक प्रशिक्षु चिकित्सक ने बताया कि हड़ताल के कारण मरीजों को स्थानांतरित करने और अन्य व्यवस्थाओं में बाधा आई। वॉर्ड बॉय संगठन के अनुसार, पिछले एक माह से वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों ने काम बंद किया था।

करुणाधाम में आज से श्री महालक्ष्मी स्थापना महोत्सव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः करुणाधाम आश्रम, नेहरू नगर में श्री महालक्ष्मी देवालय के 11वें स्थापना महोत्सव के अवसर पर 23 से 25 जुलाई तक त्रिदिवसीय सार्वभौम दिग्विजय महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

महायज्ञ में करुणाधाम के पीठाधीश्वर गुरुदेव सुदेश शांडिल्य एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमां ममता शांडिल्य मुख्य यजमान के रूप में हवन में सहभागी होंगे। इस अवसर पर विश्व शांति, राष्ट्र की समृद्धि तथा भारत को विश्वगुरु बनाने की कामना की जाएगी। आयोजन के दौरान पूरे करुणाधाम परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया

त्रिदिवसीय महायज्ञ के साथ 75 लाख रुपये के स्वर्ण आभूषणों से होगा माता का विशेष श्रृंगार

जाएगा। महोत्सव का प्रमुख आकर्षण माता महालक्ष्मी का लगभग 75 लाख रुपये मूल्य के स्वर्ण हार एवं अन्य स्वर्ण आभूषणों से विशेष श्रृंगार रहेगा। माता को बहरीन से मंगवाई गई विशेष पोशाक धारण कराई जाएगी, जबकि श्रृंगार में प्रयुक्त स्वर्ण दक्षिण भारत से विशेष रूप से मंगवाया गया है। तीनों दिनों में माता का अलग-अलग दिव्य पोशाकों में श्रृंगार किया जाएगा।

आश्रम के शाश्वत शांडिल्य के मार्गदर्शन में प्रतिदिन सायंकाल सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। 23 जुलाई को दुर्गाचरितम् तथा 24 जुलाई को नृत्य संकीर्तनम् की प्रस्तुति होगी।

सुनवाई छह वर्ष से कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी

अगली सुनवाई से पहले अतिक्रमण हटाने के निर्देश

- वेटलैंड मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण की सख्त टिप्पणी
- नगर निगम और कलेक्टर को प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने बुधवार को भोपाल वेटलैंड प्रकरण की सुनवाई के दौरान अतिक्रमण और पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन पर संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। अधिकरण ने छह वर्ष से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने पर सवाल उठाते हुए प्रतिबंधित वेटलैंड क्षेत्र में अवैध निर्माणों को संरक्षण दिए जाने की आशंका भी जताई।

राशिद नूर खान बनाम कलेक्टर भोपाल एवं अन्य प्रकरण की सुनवाई के दौरान अधिकरण ने कहा कि वर्ष 2020 से मामला उसके समक्ष लंबित है, लेकिन इतने लंबे समय के बाद भी संबंधित अधिकारियों ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। अधिकरण ने टिप्पणी की कि यह स्थिति कानून के शासन के प्रति उदासीनता को दर्शाती है।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने स्पष्ट किया कि न्यायालय के आदेशों का पालन आवश्यक है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि अवैध निर्माण और पर्यावरणीय उल्लंघन जारी रहने दिए जाएं। अधिकरण ने नगर निगम को प्रत्येक निर्माण की जांच कर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि वह वेटलैंड नियम, 2017 के प्रतिबंधित क्षेत्र में है या नहीं। अधिकरण ने भोपाल नगर निगम और कलेक्टर को निर्देश दिया कि पूर्ण जलभराव स्तर तथा बफर क्षेत्र के भीतर स्थित सभी अतिक्रमणों को विधि और नियमों के अनुसार हटाया जाए तथा अगली सुनवाई से पहले विस्तृत प्रगति प्रतिवेदन न्यायाधिकरण के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। राज्य शासन ने भी अगली सुनवाई से पूर्व आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बड़े अतिक्रमणों पर कार्रवाई नहीं

आवेदक की ओर से पक्ष रखते हुए अधिवक्ता ने कहा कि कुछ छोटे अतिक्रमण तो हटाए गए हैं, लेकिन बड़े और प्रभावशाली अतिक्रमणों के विरुद्ध अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। इस पर भोपाल नगर निगम की ओर से स्वीकार किया गया कि वेटलैंड, निजी भूमि तथा कुछ शासकीय भूमि पर भी अतिक्रमण मौजूद हैं और कुछ मामलों में उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश प्रभावी हैं।

सीमांकन नहीं होने पर जताई चिंता

सुनवाई के दौरान अधिकरण ने कहा कि इस विषय पर पूर्व में उच्च न्यायालयों द्वारा भी विचार किया जा चुका है तथा उच्च स्तरीय समिति गठित कर वेटलैंड क्षेत्र की पहचान और सीमांकन के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद आज तक वास्तविक वेटलैंड क्षेत्र का निर्धारण और मापन नहीं किया जा सका है। अधिकरण ने इसे गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कहा कि इससे यह आशंका उत्पन्न होती है कि प्रतिबंधित क्षेत्र में हुए कुछ अवैध निर्माणों को संरक्षण देने का प्रयास किया जा रहा है।